रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रमनसिंह को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए क्षेत्रीए संचालिका ब्र.कु.कमला दीदी।

बूंदी, राज.। जिला कारागृह में जेलर प्रमोद सिंह को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.भारती बहन।

छावनी, इंदौर। अंध विद्यालय में बच्चों को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.कला बहन एवं ब्र.कु.पिंकी बहन।

डुंगरनगर, रतलाम। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.सविता बहन।

दुर्ग। जिलाधीश ब्रजेश चंद्र मिश्रा को पद ग्रहण पर बधाई देते हुए एवं ब्रह्माकुमारीज़ की सेवाओं से अवगत कराते हुए ब्र.कु.रीटा बहन।

मांगल्या, इंदौर। सरपंच पुरूषोत्तम यादव को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.पुष्पा बहन।

सुरक्षा की जरूरत सिर्फ बहनों को ही नहीं बल्कि सभी को है - ब्र.कु.प्रियंका

रायपुर। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सी.आर.पी.एफ. के जवानों को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.प्रियंका बहन तथा मंचासीन हैं कमाण्डेंट सत्येंद्र कुमार सिंह, डी.आई.जी. संदीप गोकुल।

रायपुर। सुरक्षा की जरूरत सिर्फ बहनों को ही नहीं है बल्कि सभी को है क्योंकि वर्तमान समय अनिश्चितता की स्थिति होने के कारण सभी का जीवन असुरक्षित हो गया है। इसलिए रक्षाबंधन को सिर्फ बहनों की रक्षा तक ही सीमित करना, उसके महत्व को कम करने के बराबर है।

उक्त उद्‌गार राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.प्रियंका बहन ने तुलसी बाराडेरा में रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर 'केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स' के जवानों के लिए आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त की। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन के वास्तविक अर्थ को समझने के लिए सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि वास्तव में रक्षा की जरूरत किसे है और किससे रक्षा चाहिए। आज दुनिया में जितने भी गलत कर्म होते हैं उन सबके पीछे मुख्य रूप से काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसी बुराईयां ही होती है। उन्होंने कहा कि ये सब बुराइयां मनुष्य को दु:खी और अशांत करती है। इसलिए इन विकारों से आत्मा की रक्षा करने की आवश्यकता है। हमें यह समझना चाहिए कि हमारे संकल्पों का प्रभाव हमारे कर्म पर पड़ता है। इसलिए हमें सदा श्रेष्ठ संकल्प करने चाहिए जिससे कि हमारे कर्म श्रेष्ठ हो, क्योंकि श्रेष्ठ कर्म ही हमारे रक्षक होते हैं।

ब्र.कु.उमा बहन ने कहा कि हम सब कुछ शरीर को मान लेने के कारण ही अपना वास्तविक परिचय भूल गये हैं कि हम वास्तव में शरीर नहीं बल्कि एक चैतन्य शक्ति आत्मा हैं। अध्यात्म के द्वारा ही हम स्वयं के बारे में, आत्मा और परमात्मा के बारे में जान सकते हैं। राजयोग मेडिटेशन के द्वारा हम अपना सम्बन्ध पिता परमात्मा से जोड़कर उनसे शक्ति प्राप्त कर सकते हैं। इसके नियमित अभ्यास से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और हमारा जीवन श्रेष्ठ बनता है।

इस अवसर पर कमाण्डेंट सत्येन्द्र कुमार सिंह, डी.आई.जी.संदीप गोकुल, अरूण बाली तथा आर्ट ऑफ लिविंग के डॉ.सविता बाजपेयी ने भी सम्बोधित किया और अपनी शुभकामनायें व्यक्त की। इस कार्यक्रम में सी.आर.पी.एफ के जवानों सहित शहर के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। और इस शुभ अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा सभी को 'रक्षा-सूत्र' व 'आत्म-स्मृति' का तिलक लगाया गया तथा सभी का मुख मीठा कराया गया।

भाई और बहन के स्नेह का प्रतीक है रक्षाबंधन का त्यौहार

इंदौर। रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा ज्ञान शिखर कम्पलेक्स के ओम शांति भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसे सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.हेमलता बहन ने कहा कि भारत देश में हर उत्सव बहुत ही उमंग-उत्साह से मनाया जाता है। इन उत्सवों में विशेष है 'रक्षाबंधन' का त्यौहार। जो कि भाई और बहन के पारस्परिक स्नेह का प्रतीक है। यह त्यौहार अनेक आध्यात्मिक रहस्यों को लिए हुए है। जब तक हम इन त्यौहारों के यथार्थ रहस्य को नहीं समझेंगे तब तक हम इसे सही रूप से मना नहीं पायेंगे। उन्होंने कहा कि यह सृष्टि एक चक्र की तरह है जो कि घूमता ही रहता है। इसमें चार युग आते हैं और इन युगों के समाप्त होने पर एक संधिकाल भी आता है जिसे संगमयुग कहते हैं। इस युग में परमपिता परमात्मा शिव इस धरा पर आकर मनुष्य आत्माओं को ज्ञान एवं दिव्य दृष्टि प्रदान कर शक्तिशाली बनाते हैं और सत्य ज्ञान देकर आत्मा में जो बुराई है उस बुराई को निकालने हेतु यह 'रक्षा-सूत्र' बांधते हैं, इसी की यादगार में यह 'रक्षाबंधन' का त्यौहार मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि शरीर की रक्षा तो हम कई प्रकार से कर सकते हैं लेकिन आत्मा की रक्षा केवल सर्वशक्तिवान परमात्मा ही कर सकते हैं जो कि इस संसार रूपी रंगमंच पर अवतरित होकर मनुष्यमात्र को सहज राजयोग का ज्ञान देकर पावन बना रहे हैं।

इस अवसर पर सभी को बुराई छोड़ने का प्रतिज्ञा पत्र भरवाया गया तथा सभी को 'रक्षा-सूत्र' बांधने के पश्चात् मुख भी मीठा कराया गया।

इंदौर। सेवाकेंद्र पर 'आत्म-स्मृति' का तिलक एवं 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्रह्माकुमारी बहनें।

इंदौर। यातायात पुलिस के जवानों को 'आत्म-स्मृति' का तिलक देते हुए एवं 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.अनिता बहन, ब्र.कु.उषा बहन एवं ब्र.कु.प्रेमलता बहन।

श्रीनगर, इंदौर। उद्योग एवं व्यापार मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को 'रक्षा-सूत्र' बांधते हुए ब्र.कु.नगीना बहन।